● **सुनो और गाओ :**

२.विश्वव्यापक प्रेम

– राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

जन्म : १९०९, यावली (महाराष्ट्र) **मृत्यु :** १९६८ **रचनाएँ :** ग्रामगीता, लहर की बरखा **परिचय :** 'मानवता ही पंथ मेरा' मानने वाले तुकडोजी महाराज का जीवन समानतावादी था । शांति के पथ पर बढ़ते हुए आपने सामाजिक क्रांति का मार्ग बताया है ।

प्रस्तुत पद में राष्ट्रसंत तुकडोजी ने ईश्वर की विश्वव्यापकता एवं गुरु की कृपा के महत्त्व को दर्शाया है ।

सुनो तो जरा

पसायदान सुनो और सुनाओ ।

हर देश में तू हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ।
तेरी रंगभूमि यह विश्व भरा, सब खेल में, मेल में तू ही तू है ।।१।।

सागर से उठा बादल बन के, बादल से फटा जल हो करके ।
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है ।।२।।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना, सब जीव जगत का रूप लिया ।
कहीं पर्वत, वृक्ष विशाल बना, सौंदर्य तेरा तू एक ही है ।।३।।

यह दिव्य दिखाया है जिसने, वह है गुरुदेव की पूर्ण दया ।
तुकड्या कहे कोई न और दिखा, बस मैं और तू सब एक ही है ।।४।।

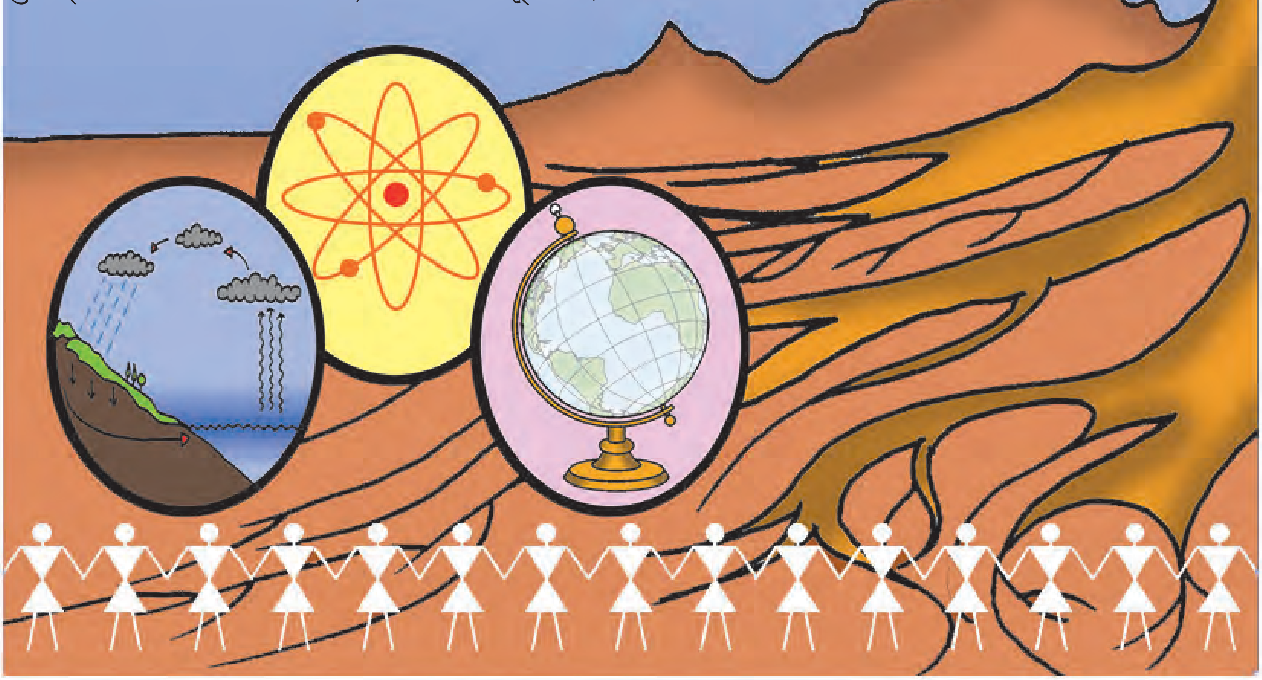

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ प्रार्थना का पाठ करके विद्यार्थियों को सुनाएँ । उनसे कविता का सामूहिक, गुट में गायन करवाएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता के भाव स्पष्ट करें । विद्यार्थियों को कोई अन्य गीत सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

भेष = रूप, पोशाक **नहर** = सिंचाई के लिए कृत्रिम माध्यम

रंगभूमि = रंगमंच **विशाल** = बहुत बड़ा

वाचन जगत से

संकेत स्थल पर जाकर महाराष्ट्र राज्य के खादी ग्रामोद्‌योग की जानकारी पढ़ो और मुद्दों के आधार पर भाषण दो :

धागा → निर्माण प्रक्रिया → वितरण

स्वयं अध्ययन

किसी महिला संत की जीवनी अंतरजाल से ढूँढ़कर लिखो ।

विचार मंथन

।। सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः ।।

✻ कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :

(क) सागर से ----------------- । -------------प्रकार तू एक ही है ।

(ख) चींटी से ----------------- । --------------- तेरा तू एक ही है ।

भाषा की ओर

निम्नलिखित वर्णों से समानार्थी और विरुद्‌धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़ो और अपने वाक्यों में प्रयोग करके कॉपी में लिखो :

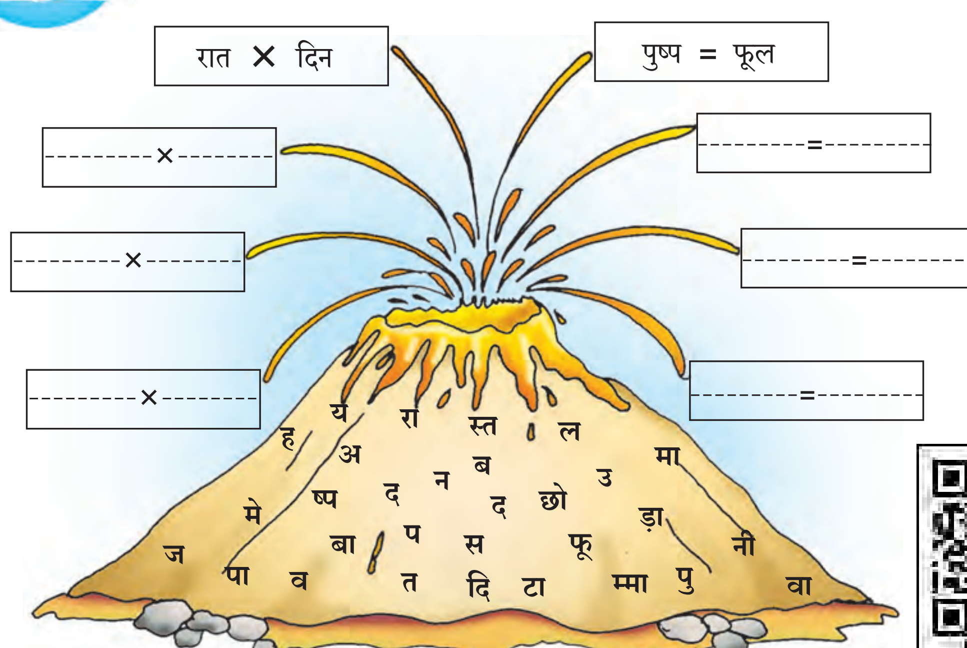

❑ **कृति/प्रश्न हेतु अध्यापन संकेत –** प्रत्येक कृति/प्रश्न को शीर्षक के साथ दिया गया है । दी गई प्रत्येक कृति/प्रश्न के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएँ । क्षमताओं और कौशलों के आधार पर इन्हें विद्यार्थियों से हल करवाएँ । आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अन्य शिक्षकों की भी सहायता प्राप्त करें । ‘दो शब्द’ में दी गई सूचनाओं का पालन करें । **दिए गए सभी कृति/प्रश्नयुक्त स्वाध्यायों का उपयोग कक्षा में समयानुसार ‘सतत सर्वंकष मूल्यमापन’ के लिए करना है ।**